सितम्बर, 2024

CUET (UG)

समसामयिक घटनाएँ और सामान्य ज्ञान

CUET (UG) जनरल टेस्ट हेतु

For More Information Visit www.drishticuet.com or Contact on 8010-699-000

drishticuethindi drishticuethindi DrishtiCUET_Hindi @drishticuethindi

In the journey towards achieving a distinguished career, choosing the right guide is as crucial as the aspirant's dedication and hard work. Drishti, with its pioneering CUET (UG) program, stands as a beacon of excellence for young aspirants.

Admissions Open in English & Hindi Medium for CUET (UG) Foundation and Crash Courses

CUET (UG) Foundation & Crash Courses in English Medium

- CUET (UG) General Aptitude Test
- CUET (UG) English Language
- CUET (UG) History Domain
- CUET (UG) Political Science Domain
- CUET (UG) Geography Domain
- CUET (UG) Psychology Domain
- CUET (UG) Economics Domain
- CUET (UG) Mathematics Domain
- CUET (UG) Business Studies Domain
- CUET (UG) Accountancy Domain
- CUET (UG) Chemistry Domain
- CUET (UG) Physics Domain
- CUET (UG) Biology Domain
- CUET (UG) Combo (General Aptitude Test + English Language)

CUET (UG) फाउंडेशन और क्रेश कोर्सेस हिंदी माध्यम में

- CUET (UG) जनरल एप्टीट्यूड टेस्ट
- CUET (UG) हिंदी भाषा
- CUET (UG) इतिहास डोमेन
- CUET (UG) राजनीति विज्ञान डोमेन
- CUET (UG) भूगोल डोमेन
- CUET (UG) अर्थशास्त्र डोमेन
- CUET (UG) समाजशास्त्र डोमेन
- CUET (UG) भौतिक विज्ञान डोमेन
- CUET (UG) रसायन विज्ञान डोमेन
- CUET (UG) जीव विज्ञान डोमेन
- CUET (UG) Combo (जनरल एप्टीट्यूड टेस्ट + हिंदी भाषा)

Key Features of Drishti CUET (UG) Courses

- Best Faculties
- Live Classes
- Topic-wise Practice Worksheets
- Up-to-date Study Materials As Per Latest Syllabus
- Post Class Assistance & Doubt Solving Sessions
- Daily News Updates and Monthly Current Affairs Compilation

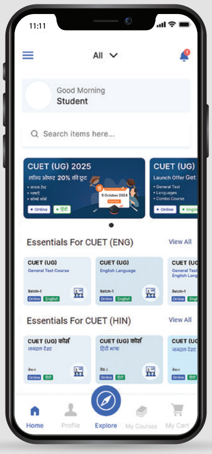

Drishti Learning App

Get that 'Online Edge' in your preparation for CUET (UG), all from the convenience of your home.

Website | YouTube | PYQ's as Quizzes | Scan me for English Courses | Scan me for Hindi Courses

For more information please contact on **87501-87501**

विवरणिका

1. संवैधानिक/प्रशासनिक घटनाक्रम

- सुप्रीम कोर्ट....1
- स्वतंत्रता का अधिकार....1
- भारतीय विधि आयोग....2
- असम समझौते का खंड 6....2
- सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम, 1958 (अफस्पा)....3

2. भूगोल

- शम्भू बॉर्डर....4
- टाइफून यागी....4
- सूर्य की घूर्णन गति में अक्षांशीय परिवर्तन....5
- भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा इथेनॉल उत्पादक और उपभोक्ता बन गया है....5
- पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी)....6

3. भारतीय अर्थव्यवस्था

- बिडकिन औद्योगिक क्षेत्र (बीआईए)....7
- पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी)....7

4. सामान्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

- विष्णु युद्ध अभ्यास....8
- अभ्यास 'बेइबू'....8
- विश्वस्य-ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी....9
- अग्नि-4 बैलिस्टिक मिसाइल....9
- जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान नवाचार और उद्यमिता विकास (बायो-राइड)....10

5. इतिहास

- ईश्वर चंद्र विद्यासागर....11
- संत कवि तिरुवल्लुवर....11

विवरणिका

6. विश्व मामले

- भारत-यूएई ने 5 समझौतों पर हस्ताक्षर किए 12
- शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) 12
- अरुणाचल प्रदेश की चोटी का नाम छठे दलाई लामा के नाम पर रखना गैरकानूनी है 13
- चीन की बेल्ट एंड रोड पहल (बीआरआई) 13
- चतुर्भुज सुरक्षा वार्ता (QUAD) 14

7. विविध

- महत्वपूर्ण दिन 16
- खेल 16
- चर्चित व्यक्तित्व 18
- सरकारी योजनाएँ 24
- पुरस्कार और सम्मान 27

1 भारतीय राज्यवयवस्था

सुप्रीम कोर्ट

चर्चा में क्यों ?

सर्वोच्च न्यायालय ने बुलडोजर न्याय पर सवाल उठाया है क्योंकि यह उचित प्रक्रिया के लिए 'अखिल भारतीय' मानदंड निर्धारित करेगा।

संविधान में उचित प्रक्रिया

- यह कानून के समक्ष व्यवहार में तर्कसंगतता और निष्पक्षता का पक्षधर है।
- कानून की प्रक्रिया में शामिल कोई भी असमानता अवैध मानी जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट

- यह भारत के संविधान के तहत सर्वोच्च न्यायिक न्यायालय और अंतिम अपील न्यायालय है, यह सर्वोच्च संवैधानिक न्यायालय है, जिसे न्यायिक समीक्षा की शक्ति प्राप्त है।
- भारत एक संघीय राज्य है और इसकी न्यायिक प्रणाली एकल और एकीकृत है, जिसमें तीन स्तरीय संरचना है, अर्थात सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालय और अधीनस्थ न्यायालय।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय का संक्षिप्त इतिहास

- 1773 के रेग्युलेटिंग एक्ट के लागू होने से कलकत्ता में एक अभिलेख न्यायालय के रूप में सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना हुई, जिसे पूर्ण शक्ति और अधिकार प्राप्त थे।
- मद्रास और बम्बई में सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना क्रमश: 1800 और 1823 में किंग जॉर्ज-III द्वारा की गई थी।
- 1947 में भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान अस्तित्व में आया।
- भारत का सर्वोच्च न्यायालय भी अस्तित्व में आया और इसकी पहली बैठक 28 जनवरी 1950 को हुई।
- सर्वोच्च न्यायालय द्वारा घोषित कानून भारत के राज्यक्षेत्र के सभी न्यायालयों पर बाध्यकारी है।
- इसमें न्यायिक समीक्षा की शक्ति है - संविधान के प्रावधानों और योजना के विपरीत विधायी और कार्यकारी कार्रवाई को रद्द करने की।

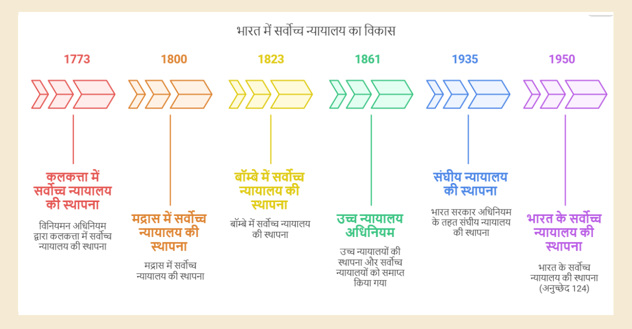

स्वतंत्रता का अधिकार

चर्चा में क्यों ?

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में लगभग 23 महीने की कैद के बाद आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व संचार प्रभारी विजय नायर को जमानत दे दी।

अनुच्छेद 21: जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का संरक्षण

- किसी भी व्यक्ति को कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अनुसार ही उसके जीवन या व्यक्तिगत स्वतंत्रता से वंचित किया जाएगा, अन्यथा नहीं।
- यह मौलिक अधिकार प्रत्येक व्यक्ति, नागरिक और विदेशियों को समान रूप से उपलब्ध है।
- अनुच्छेद 21 दो अधिकार प्रदान करता है:
  - जीवन का अधिकार
  - व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार

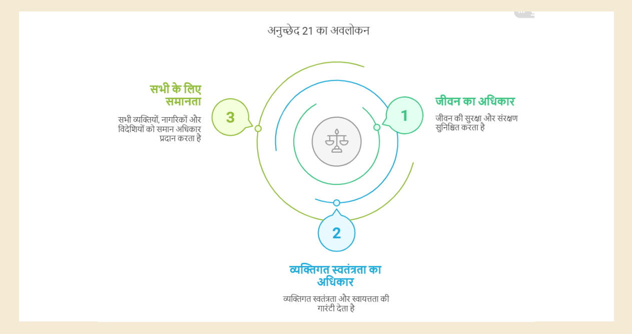

भारतीय विधि आयोग

चर्चा में क्यों ?

केंद्र सरकार ने 1 सितम्बर 2024 से 31 अगस्त 2027 तक तीन वर्ष की अवधि के लिए 23 वें विधि आयोग का गठन किया गया है|

भारतीय विधि आयोग के बारे में

- यह न तो संवैधानिक निकाय है और न ही वैधानिक निकाय है।
- यह भारत सरकार के आदेश द्वारा स्थापित एक कार्यकारी निकाय है।
- इसकी स्थापना एक निश्चित कार्यकाल (तीन वर्ष) के लिए की गई है तथा यह विधि एवं न्याय मंत्रालय के लिए एक सलाहकार निकाय के रूप में कार्य करता है।

भारत में विधि आयोग का इतिहास

- प्रथम विधि आयोग
  - इसकी स्थापना 1834 में लॉर्ड मैकाले की अध्यक्षता में चार्टर एक्ट 1833 के तहत की गई थी।
  - इसने दंड संहिता और आपराधिक प्रक्रिया संहिता के संहिताकरण की सिफारिश की।
- इसके बाद क्रमश: 1853, 1861 और 1879 में दूसरे, तीसरे और चौथे विधि आयोग का गठन किया गया।
- भारतीय सिविल प्रक्रिया संहिता, भारतीय संविदा अधिनियम, भारतीय साक्ष्य अधिनियम, संपत्ति अंतरण अधिनियम आदि पहले चार विधि आयोगों की देन हैं।

विधि आयोग के कार्य

- उन कानूनों की पहचान करना जो अप्रचलित हो गए हैं और जिन्हें निरस्त किया जा सकता है।
- गरीबों को प्रभावित करने वाले कानूनों की ऑडिट करना तथा किसी भी कानून पर अपने विचार देना।
- ऐसे विधानों का सुझाव देना जो निदेशक सिद्धांतों को लागू करने के लिए आवश्यक हो सकते हैं।
- संविधान की प्रस्तावना में निर्धारित उद्देश्यों को प्राप्त करना।
- खाद्य सुरक्षा, बेरोजगारी पर वैश्वीकरण के प्रभाव की जांच करना।
- हाशिए पर पड़े लोगों के हितों की सुरक्षा के लिए उपायों की सिफारिश करना।

असम समझौते का खंड 6

चर्चा में क्यों ?

ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (AASU) के साथ बैठक के बाद, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने असम समझौते के खंड 6 के संबंध में न्यायमूर्ति बिप्लब सरमा समिति की 52 सिफारिशों को लागू करने की पहल की। यह फरवरी 2020 में समिति की रिपोर्ट को अंतिम रूप देने के बाद किया गया है। हालाँकि, 15 प्रमुख सिफारिशों को अभी लागू नहीं किया जाएगा क्योंकि उन्हें संवैधानिक संशोधनों की आवश्यकता है। राज्य सरकार ने रिपोर्ट की विशिष्ट सिफारिशों के लिए 1951 को "कट-ऑफ डेट" के रूप में स्वीकार किया है।

असम समझौता

- यह भारत सरकार, असम सरकार और असम आंदोलन के नेताओं के बीच हस्ताक्षरित एक त्रिपक्षीय समझौता था।
- बांग्लादेश से अवैध प्रवास के खिलाफ अखिल असम छात्र संघ (AASU) सहित विभिन्न संगठनों के नेतृत्व में एक लंबे आंदोलन के बाद 15 अगस्त 1985 को इस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे।
- समझौते में अवैध आप्रवासियों की पहचान के लिए कट-ऑफ तिथि 24 मार्च 1971 निर्धारित की गयी है|
- जो लोग इस तिथि से पहले असम में प्रवेश करेंगे वे नागरिकता के लिए पात्र होंगे, जबकि जो लोग इसके बाद प्रवेश करेंगे उन्हें अवैध प्रवासी माना जाएगा।

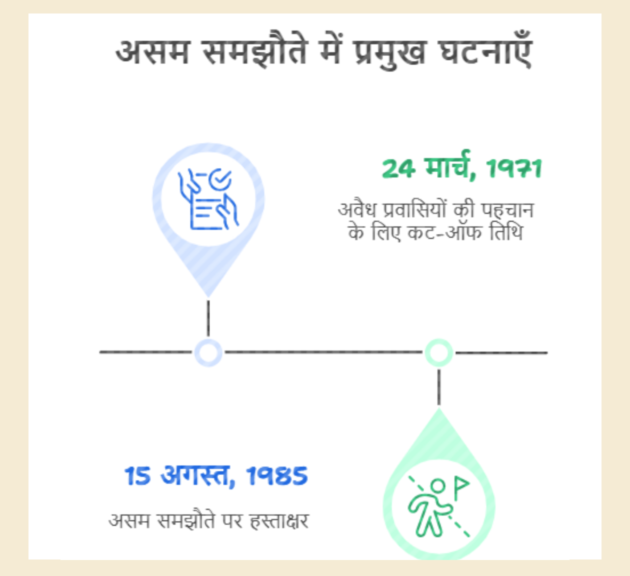

सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम, 1958 (अफस्पा)

चर्चा में क्यों?

पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में जारी जातीय हिंसा के कारण मणिपुर सरकार और केंद्र द्वारा सशस्त्र बल विशेषाधिकार अधिनियम (AFSPA) की समीक्षा की जानी है। 30 सितंबर को मणिपुर में AFSPA के छह महीने के आवर्ती विस्तार की समाप्ति हो रही है।

टिप्पणी

- बीआरआई में शुरू में बांग्लादेश-चीन-भारत-म्यांमार (बीसीआईएम) आर्थिक गलियारा शामिल था।
- भारत ने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) पर आपत्ति जताते हुए बीआरआई में शामिल न होने का निर्णय लिया, जो पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से होकर गुजरता है।
- भारत की अनुपस्थिति के परिणामस्वरूप, बीसीआईएम गलियारा रुक गया है और इसका स्थान चीन-म्यांमार आर्थिक गलियारे ने ले लिया है।

अफस्पा 1958 के बारे में

- **अधिनियम की उत्पत्ति**
  - 1942 में, भारत छोड़ो आंदोलन की प्रतिक्रिया में, अंग्रेजों ने इस अधिनियम को उसके मूल स्वरूप में लागू किया।
  - यह अधिनियम मूलत: एक अध्यादेश के रूप में प्रस्तुत किया गया था तथा तत्पश्चात 1958 में इसे अधिनियम के रूप में अधिसूचित किया गया।
  - स्वतंत्रता के बाद प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने इस अधिनियम को यथावत बनाये रखने का निर्णय लिया।
  - दशकों पहले, जब पूर्वोत्तर राज्यों में हिंसा बढ़ गई और राज्य सरकारों के लिए इसे रोकना कठिन हो गया, तो इस अधिनियम को लागू किया गया।
- **अधिनियम के प्रावधान**
  - संपूर्ण राज्य या संघ राज्य क्षेत्र या उसके किसी भाग को केन्द्र सरकार, राज्य के राज्यपाल या संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासक द्वारा अशांत क्षेत्र घोषित किया जा सकता है।
  - यह अधिनियम सशस्त्र बलों को अशांत क्षेत्रों में व्यवस्था बहाल करने के लिए असाधारण अधिकार और उन्मुक्ति प्रदान करता है।
  - अधिनियम में प्रावधान है कि गिरफ्तार व्यक्ति और जब्त संपत्ति को यथासंभव कम देरी के साथ पुलिस को सौंप दिया जाएगा।
  - यह अधिनियम अपनी आधिकारिक क्षमता में सद्भावपूर्वक कार्य करने वाले व्यक्तियों को संरक्षण प्रदान करता है।
  - केन्द्र सरकार की मंजूरी के बाद ही अभियोजन की अनुमति दी जाती है।

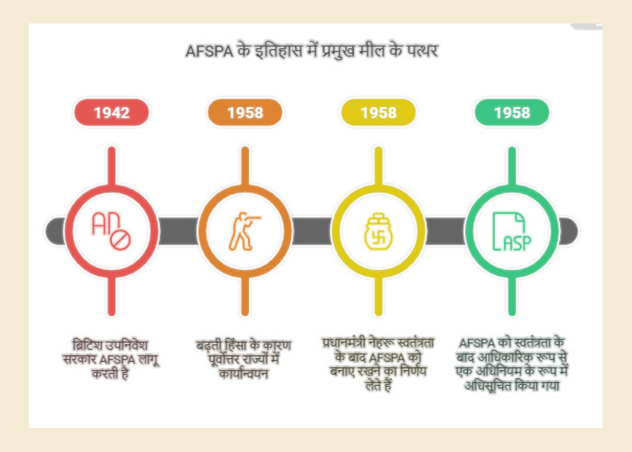

2

भूगोल

शम्भू बॉर्डर

चर्चा में क्यों ?

सुप्रीम कोर्ट ने शंभू बॉर्डर पर किसानों से बातचीत के लिए तटस्थ पैनल का गठन किया।

शंभू बॉर्डर

शम्भू भारत के पंजाब राज्य के पटियाला जिले में हरियाणा की सीमा के पास स्थित एक गांव है।

तटस्थ उच्चाधिकार प्राप्त समिति

- **उद्देश्य:**
  - शंभू सीमा पर आंदोलनकारी किसानों तक पहुंचना तथा उन पर दबाव डालना कि वे राष्ट्रीय राजमार्ग से अपने ट्रैक्टर/ट्रॉलियां, टेंट और अन्य सामान आदि तुरंत हटा लें, ताकि दोनों राज्यों के नागरिक और पुलिस प्रशासन राष्ट्रीय राजमार्ग को खोलने में सक्षम हो सकें।
- **बेंच की संरचना:**
  - जस्टिस सूर्यकांत और उज्जल भुइयां
- **समिति सदस्यगण**
  - **अध्यक्षता:**
    - पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) नवाब सिंह, शंभू सीमा पर प्रदर्शन कर रहे किसानों से बातचीत करने के लिए।
  - **अन्य सदस्य**
    - सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी- बीएस संधू
    - डॉ देविंदर शर्मा
    - प्रोफेसर रणजीत सिंह घुम्मन
    - सुखपाल सिंह, कृषि अर्थशास्त्री, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना
- **विशेष आमंत्रित:**
  - बलदेव राज कंबोज, कुलपति, सीसीएस, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय।

टाइफून यागी

चर्चा में क्यों ?

तूफ़ान यागी ने उत्तरी वियतनाम को प्रभावित किया है और इसे इस क्षेत्र में एक दशक में सबसे शक्तिशाली तूफ़ानों में से एक माना जा रहा है। इससे पहले तूफ़ान ने चीन के हैनान प्रांत को प्रभावित किया था, जहाँ इसने तीन लोगों की जान ले ली थी और लगभग सैकड़ों लोगों को घायल कर दिया था।

टाइफून यागी

- यह एक प्रकार का उष्णकटिबंधीय चक्रवात है।
- पश्चिमी प्रशांत महासागर में उष्णकटिबंधीय चक्रवातों को टाइफून कहा जाता है।
- इनकी विशेषताएँ घूमती हवाएँ, तीव्र वर्षा और गरज के साथ होने वाले तूफान हैं।

- इसका प्रभाव चीन, वियतनाम और लाओस पर पड़ा।
- यह सुपर टाइफून की स्थिति तक पहुंच गया, जो उष्णकटिबंधीय चक्रवातों की उच्चतम श्रेणियों में से एक है।
- संरचना
    - **आँख:** तूफान का शांत केंद्र, अक्सर साफ और कम हवा के साथ।
    - **नेत्र दीवार:** नेत्र के चारों ओर स्थित इस क्षेत्र में सबसे तीव्र हवाएं और भारी वर्षा होती है।
    - **वर्षा बैंड:** तूफानों की सर्पिल बैंड जो नेत्र भित्ति से बाहर की ओर फैलती हैं, जिससे वर्षा और तेज़ हवाएं चलती हैं।

सूर्य की घूर्णन गति में अक्षांशीय परिवर्तन

चर्चा में क्यों ?

भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान (आईआईए) के खगोलविदों ने कोडईकनाल सौर वेधशाला से 100 साल के दैनिक सौर रिकॉर्ड का उपयोग पहली बार सूर्य के विभेदक घूर्णन का मानचित्रण करने के लिए किया है। अध्ययन से अक्षांशों में अलग-अलग घूर्णन गति का पता चलता है, जिसमें भूमध्य रेखा हर 25 दिन और ध्रुव हर 35 दिन में घूमते हैं, जो सौर गतिशीलता और चक्रों को समझने के लिए महत्वपूर्ण है।

सूरज

- **प्रकार:** यह हमारे सौरमंडल के केंद्र में स्थित एक G-प्रकार का मुख्य-अनुक्रम तारा (G ड्वार्फ) है।
- **पृथ्वी से दूरी:** लगभग 93 मिलियन मील (150 मिलियन किलोमीटर), जिसे खगोलीय इकाई (AU) के रूप में जाना जाता है।
- **आयु:** अनुमानत: लगभग 4.6 अरब वर्ष पुरानी।
- संरचना: इसमें कई परतें होती हैं, जिनमें से प्रत्येक की अलग-अलग विशेषताएं और तापमान होते हैं -
    - **प्रकाशमंडल:** वह दृश्य सतह जो आंतरिक भाग और वायुमंडल के बीच की सीमा को चिह्नित करती है।
    - **क्रोमोस्फीयर:** प्रकाशमंडल के ऊपर एक अनियमित परत जहां तापमान 6000°C से लगभग 20,000°C तक बढ़ जाता है।
    - **संक्रमण क्षेत्र:** वायुमंडल की एक पतली और बहुत अनियमित परत जो गर्म कोरोना को बहुत ठंडे वर्णमण्डल से अलग करती है।
    - **कोरोना:** यह बाहरी वायुमंडल है। यह अंतर्निहित क्रोमोस्फीयर या फोटोस्फीयर से बहुत अधिक गर्म है।
    - कोरोना के परे सौर वायु है, जो कोरोना से निकलने वाले आवेशित कणों (प्लाज्मा) का बाहरी प्रवाह है।
- सौर वायु अंतरिक्ष में दूर तक फैलती है, जो ग्रहों के वायुमंडल को प्रभावित करती है तथा पृथ्वी पर ध्रुवीय ज्योति जैसी घटनाएं उत्पन्न करती है।
- 19 वीं शताब्दी में अंग्रेज खगोलशास्त्री रिचर्ड कैरिंगटन ने पहली बार सूर्य के धब्बों का अवलोकन करके विभेदक घूर्णन की खोज की थी।
- इसकी भूमध्य रेखा 13.98 डिग्री प्रतिदिन घूमती है, जबकि 80 डिग्री अक्षांश पर घूर्णन दर धीमी होकर 10.5 डिग्री प्रतिदिन हो जाती है।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा इथेनॉल उत्पादक और उपभोक्ता बन गया है

चर्चा में क्यों ?

खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी ने घोषणा की कि भारत अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा इथेनॉल उत्पादक और उपभोक्ता है।

इथेनॉल

- इसे एथिल अल्कोहल (C_2H_5OH) के नाम से भी जाना जाता है, यह एक स्पष्ट, रंगहीन तरल है जिसकी विशिष्ट गंध होती है।
- यह 99.9% शुद्ध अल्कोहल है।
- इसे नवीकरणीय ईंधन माना जाता है और इसका उत्पादन गन्ना, मक्का और गेहूं से किया जा सकता है, जिनमें स्टार्च की मात्रा अधिक होती है।
- इसमें मौजूद ऑक्सीजन की मात्रा के कारण दहन क्षमता बढ़ाने के लिए इसे गैसोलीन के साथ मिश्रित किया जा सकता है, जिससे उत्सर्जन कम होता है।

- **उपयोग**
  - **ईंधन:** आम मिश्रणों में E10 (10% इथेनॉल, 90% गैसोलीन) और E85 (85% इथेनॉल तक) शामिल हैं। यह शुद्ध गैसोलीन की तुलना में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करता है।
  - इसका उपयोग फार्मास्यूटिकल्स, सौंदर्य प्रसाधनों और व्यक्तिगत देखभाल उत्पादों में विलायक के रूप में किया जाता है।
  - इसका उपयोग रसायन, प्लास्टिक और सिंथेटिक फाइबर के उत्पादन में किया जाता है।
  - यह बीयर, वाइन और स्पिरिट जैसे मादक पेय पदार्थों का मुख्य घटक है।

इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम

- इसे 2003 में पेट्रोल में 5% इथेनॉल मिश्रण के साथ शुरू किया गया था।
- यह भारत सरकार द्वारा पेट्रोल में नवीकरणीय और पर्यावरण अनुकूल ईंधन इथेनॉल के उपयोग को बढ़ावा देने की एक पहल है।
- इसका उद्देश्य अन्य देशों से ईंधन के आयात को कम करना, विदेशी मुद्रा का संरक्षण करना और चीनी उद्योग में मूल्य संवर्धन को बढ़ाना है।
- सरकार ने 2021-22 तक पेट्रोल के साथ इथेनॉल मिश्रण के लिए 10% मिश्रण लक्ष्य (ई10) और 2025-26 तक 20% मिश्रण लक्ष्य (ई20) रखा है।
- भारत ईंधन में इथेनॉल मिश्रण करके 2014 से अब तक 17.3 मिलियन मीट्रिक टन कच्चे तेल के आयात का विकल्प चुनने में सक्षम रहा है।
- सरकार ने 2014 से अब तक डिस्टिलर्स को 1.45 ट्रिलियन रुपये और किसानों को 87,558 करोड़ रुपये का भुगतान किया है।
- ईंधन में इथेनॉल के उपयोग से पिछले दशक में कार्बन उत्सर्जन में 51.9 मिलियन मीट्रिक टन की कमी आई है।
- ईंधन में इथेनॉल के उपयोग से पिछले दशक में कार्बन उत्सर्जन में 51.9 मिलियन मीट्रिक टन की कमी आई है।

पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी)

चर्चा में क्यों?

राजस्थान और मध्य प्रदेश जल्द ही संशोधित पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) को लागू करने के लिए एक नए समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे, जो पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों में दीर्घकालिक जल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पार्वती, काली सिंध और चंबल नदियों को जोड़ेगी।

ईआरसीपी के बारे में

- यह एक महत्वाकांक्षी पेयजल और सिंचाई जल परियोजना है जिसे राजस्थान सरकार ने 2017-18 के बजट में पेश किया था।
- उद्देश्य: पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों के समक्ष आने वाली जल समस्याओं का दीर्घकालिक समाधान प्रदान करना।
  - 13 जिलों में झालावाड़, बारां, कोटा बूंदी, सवाई माधोपुर, अजमेर, टोंक, जयपुर, दौसा, करौली, अलवर, भरतपुर और धौलपुर शामिल हैं।
- इसकी योजना वर्ष 2051 तक दक्षिणी और दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में मनुष्यों और पशुओं के लिए पेयजल और औद्योगिक जल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बनाई गई है।

परियोजना का परिचय

विशेषता	विवरण
परिचय	2017-18 के बजट में शुरू किया गया
उद्देश्य	13 जिलों में दीर्घकालिक जल समस्याओं का समाधान करना
आवृत जिले	झालावाड़, बारां, कोटा और अन्य जिले शामिल हैं
जल आवश्यकताएँ	2051 तक पीने और औद्योगिक जल की आवश्यकताओं को पूरा करता है

3 भारतीय अर्थव्यवस्था

बिडकिन औद्योगिक क्षेत्र (बीआईए)

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाराष्ट्र में 7,855 एकड़ के बिडकिन औद्योगिक क्षेत्र (बीआईए) का उद्घाटन किया।

बिडकिन औद्योगिक क्षेत्र (BIA) के बारे में

- इसे दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारे के हिस्से के रूप में राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम (एनआईसीडीपी) के तहत विकसित किया गया है।
- यह छत्रपति संभाजी नगर से 20 किमी दक्षिण में स्थित है और मराठवाड़ा क्षेत्र में आर्थिक विकास को गति देने की अपार संभावनाएं रखता है।

एनआईसीडीपी के बारे में

- यह भारत का सबसे महत्वाकांक्षी बुनियादी ढांचा कार्यक्रम है।
- **उद्देश्य:**
  - भारत में भविष्योन्मुखी औद्योगिक शहरों का विकास करना जो विश्व के सर्वोत्तम विनिर्माण और निवेश स्थलों के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकें।
- पश्चिमी समर्पित माल गलियारा को दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारा (डीएमआईसी) परियोजना के लिए परिवहन रीढ़ माना जाता है।
- पूर्वी समर्पित माल गलियारा अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक गलियारा (एकेआईसी) परियोजना के लिए रीढ़ की हड्डी के रूप में कार्य करता है।

पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी)

चर्चा में क्यों ?

राजस्थान और मध्य प्रदेश जल्द ही संशोधित पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) को लागू करने के लिए एक नए समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे, जो पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों में दीर्घकालिक जल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पार्वती, काली सिंध और चंबल नदियों को जोड़ेगी।

ईआरसीपी के बारे में

- यह एक महत्वाकांक्षी पेयजल और सिंचाई जल परियोजना है जिसे राजस्थान सरकार ने 2017-18 के बजट में पेश किया था।
- **उद्देश्य:** पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों के समक्ष आने वाली जल समस्याओं का दीर्घकालिक समाधान प्रदान करना।
  - 13 जिलों में झालावाड़, बारां, कोटा बूंदी, सवाई माधोपुर, अजमेर, टोंक, जयपुर, दौसा, करौली, अलवर, भरतपुर और धौलपुर शामिल हैं।
- इसकी योजना वर्ष 2051 तक दक्षिणी और दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में मनुष्यों और पशुओं के लिए पेयजल और औद्योगिक जल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बनाई गई है।

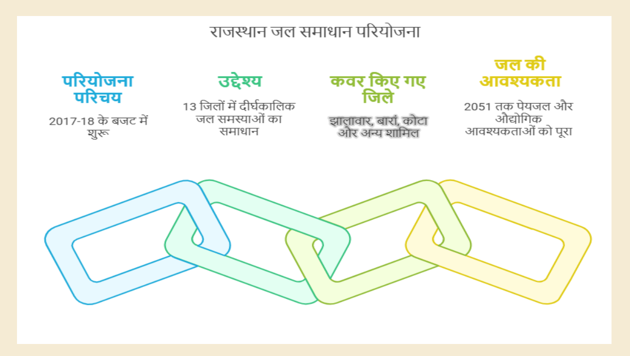

4 सामान्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

विष्णु युद्ध अभ्यास

चर्चा में क्यों ?

राष्ट्रीय एक स्वास्थ्य मिशन (एनओएचएम) के तत्वावधान में, एक व्यापक राष्ट्रीय मॉक ड्रिल, "विषाणु युद्ध अभ्यास" (वायरस युद्ध अभ्यास) आयोजित किया गया।

- **स्थान:** राजस्थान राज्य का अजमेर जिला
- **दिनांक:** 27 अगस्त 2024 से 31 अगस्त 2024
- **उद्देश्य:** महामारी की तैयारियों का आकलन करना।

विष्णु युद्ध अभ्यास के बारे में

उद्देश्य: मानव स्वास्थ्य, पशुपालन और वन्यजीव क्षेत्रों के विशेषज्ञों से बनी राष्ट्रीय संयुक्त प्रकोप प्रतिक्रिया टीम (एनजेओआरटी) की तत्परता और प्रतिक्रिया का मूल्यांकन करना।

यह मॉक ड्रिल कैसे आयोजित की गई ?

वास्तविक विश्व में प्रकोप का अनुकरण करने के लिए एक नकली जूनोटिक रोग प्रकोप परिदृश्य बनाया गया।

ड्रिल के हितधारक

- राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी)
- भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर)
- स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस)
- पशुपालन और डेयरी विभाग (डीएएचडी)
- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ&सीसी)
- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर)
- राजस्थान राज्य प्रशासन
- राज्य स्वास्थ्य सेवा निदेशालय (डीएचएस)
- राज्य पशु चिकित्सा विभाग और राज्य वन विभाग
- एम्स जोधपुर बीएसएल-3 लैब (19 राष्ट्रीय बीएसएल-3 नेटवर्क प्रयोगशालाओं में से एक)
- जिला प्रशासन, मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी
- जिला पशु चिकित्सा अधिकारी एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर एवं कर्मचारी
- ड्रिल को दो प्रमुख घटकों के आसपास संरचित किया गया था
  - नकली प्रकोप के लिए जिम्मेदार वायरस की जांच और पहचान।
  - मानव और पशु आबादी में बीमारी के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए कार्रवाई शुरू की गई। स्वतंत्र पर्यवेक्षकों ने प्रतिक्रिया की निगरानी की।

अभ्यास 'बेइबू'

चर्चा में क्यों ?

रूस और चीन ने जापान सागर में नौसैनिक अभ्यासों की एक श्रृंखला शुरू की, जिसे "बेइबू/इंटरैक्शन - 2024" के नाम से जाना जाता है।

उद्देश्य: इस अभ्यास का उद्देश्य विमान-रोधी और पनडुब्बी-रोधी युद्ध में सैन्य क्षमताओं को बढ़ाना, अंतर-संचालन और क्षेत्रीय रक्षा तंत्र में सुधार करना है।

जापान सागर में बेड़े का फुटेज

जापान सागर/पूर्वी सागर के बारे में

- सीमाएँ: उत्तर में रूस और सखालिन द्वीप, पश्चिम में उत्तर कोरिया, दक्षिण-पश्चिम में दक्षिण कोरिया तथा पूर्व और दक्षिण में जापानी द्वीपसमूह (होक्काइडो, होन्शू और क्यूशू)।
- दोहोकू सीमाउंट, एक पानी के नीचे का ज्वालामुखी, समुद्र का सबसे गहरा बिंदु है।

- तुमेन (या डूमन) नदी जापान सागर में बहने वाली सबसे बड़ी नदी है, जो उत्तर कोरिया, रूस और चीन के बीच सीमा का काम करती है।
- **प्रमुख बंदरगाह:**
  - **रूस:** व्लादिवोस्तोक, सोवेत्सकाया गवन, नखोदका, अलेक्जेंड्रोव्स्क-सखालिंस्की और खोल्म्स्क।
  - **उत्तर कोरिया:** हामहुंग, चोंगजिन और वोनसान।
  - **जापान:** निगाता, त्सुरुता और मैज़ुरु।

जापान सागर को दर्शाता मानचित्र

विश्वस्य-ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी

चर्चा में क्यों ?

- सरकार ने विश्वस्य-ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी स्टैक लॉन्च किया; भौगोलिक रूप से वितरित बुनियादी ढांचे के साथ ब्लॉकचेन-एज़-ए-सर्विस की पेशकश करने के लिए।
- **मंत्रालय:** इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY)
- **उद्देश्य:** ब्लॉकचेन आधारित अनुप्रयोगों के निर्माण के लिए कुशल जनशक्ति की आवश्यकता, विक्रेता लॉक-इन और सुरक्षा, अंतर-संचालन, प्रदर्शन और अन्य पहलुओं से संबंधित अनुसंधान चुनौतियों जैसी चुनौतियों का समाधान करने के लिए वितरित बुनियादी ढांचे पर ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी स्टैक के साथ एक विस्तार योग्य ढांचा विकसित करना।

ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी के बारे में

- यह एक उन्नत डेटाबेस तंत्र है जो व्यावसायिक नेटवर्क के भीतर पारदर्शी सूचना साझा करने की अनुमति देता है।
- ब्लॉकचेन डेटाबेस डेटा को ब्लॉकों में संग्रहीत करता है जो एक श्रृंखला में एक साथ जुड़े होते हैं।
- डेटा कालानुक्रमिक रूप से सुसंगत है क्योंकि आप नेटवर्क से सहमति के बिना श्रृंखला को हटा या संशोधित नहीं कर सकते हैं।
- ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी का उपयोग ऑर्डर, भुगतान, खातों और अन्य लेनदेन पर नज़र रखने के लिए एक अपरिवर्तनीय या अपरिवर्तनीय खाता बनाने के लिए किया जाता है।
- प्रणाली में अंतर्निहित तंत्र हैं जो अनधिकृत लेनदेन प्रविष्टियों को रोकते हैं और इन लेनदेन के साझा दृश्य में एकरूपता पैदा करते हैं।

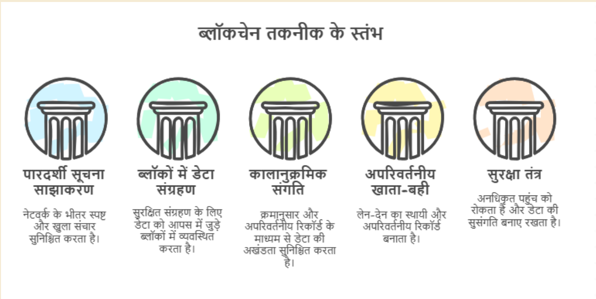

अग्नि-4 बैलिस्टिक मिसाइल

चर्चा में क्यों ?

ओडिशा के चांदीपुर में एकीकृत परीक्षण रेंज से मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-4 का प्रक्षेपण किया गया। यह परीक्षण सामरिक बल कमान द्वारा किया गया, जिसमें मिसाइल की क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया तथा सामरिक उद्देश्यों के लिए इसकी तत्परता सुनिश्चित की गई।

अग्नि चतुर्थ

- **विकसितकर्ता:** रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ)
- यह एक मध्यम दूरी बैलिस्टिक मिसाइल (आईआरबीएम) है।
- यह मध्यम से अंतरमहाद्वीपीय दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों की अग्नि श्रृंखला की चौथी मिसाइल है।
- इसका नाम संस्कृत शब्द 'अग्नि' से आया है, जिसका अर्थ है 'आग' और यह प्रकृति के पांच तत्वों में से एक का प्रतिनिधित्व करता है।

- इसे परमाणु प्रतिरोध के लिए डिज़ाइन किया गया है और यह परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है।
- **रेंज:** 4,000 किलोमीटर
- **लंबाई:** 20 मीटर
- **वजन:** 17 टन
- पिछले छह वर्षों में इसके सात सफल परीक्षण हो चुके हैं, जिनमें से पहला 15 नवंबर 2011 को किया गया था ।

अग्नि - 4, मध्यम दूरी बैलिस्टिक मिसाइल (आईआरबीएम)

जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान नवाचार और उद्यमिता विकास (बायो-राइड)

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने जैव प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत दो प्रमुख योजनाओं को जारी रखने की मंजूरी दे दी है तथा उन्हें 'बायो-राइड' में विलय कर दिया गया है। बायो-राइड का उद्देश्य नवाचार, जैव-उद्यमिता को बढ़ावा देना तथा पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ाना है।

बायो-राइड के बारे में

- **इस योजना के तीन व्यापक घटक हैं -**
  - जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी)
  - औद्योगिक एवं उद्यमिता विकास (आई एंड ई डी)
  - जैव विनिर्माण और जैव फाउंड्री।
- इसका उद्देश्य अनुसंधान में तेजी लाना, उत्पाद विकास को बढ़ावा देना तथा शैक्षिक अनुसंधान और औद्योगिक अनुप्रयोगों के बीच की खाई को पाटना है।
- **विकास क्षेत्र:** सिंथेटिक जीवविज्ञान, बायोफार्मास्युटिकल्स, बायोएनर्जी और बायोप्लास्टिक्स।
- भारत में एक परिपत्र जैव अर्थव्यवस्था को सक्षम करने के लिए, 'पर्यावरण के लिए जीवन शैली (LiFE)' पहल के साथ संरेखण में जैव विनिर्माण और जैव फाउंड्री पर एक नया घटक शुरू किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य जैव विनिर्माण की क्षमता का दोहन करना है।

'जीवनशैली पर्यावरण के लिए (जीवन)' पहल

- इसे 1 नवंबर 2021 को ग्लासगो में COP26 में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पेश किया गया था।
- यह वैश्विक समुदाय से आह्वान है कि वे LiFE को एक अंतर्राष्ट्रीय आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाएं, जो पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण के लिए "विवेकहीन और विनाशकारी उपभोग" के स्थान पर "सचेत और सुविचारित उपयोग" को बढ़ावा दे।
- **उद्देश्य:** जलवायु परिवर्तन को कम करने और पर्यावरण की रक्षा के लिए व्यक्तियों और समुदायों को पर्यावरण अनुकूल प्रथाओं और जीवनशैली में बदलाव अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना।
- **संरेखण:** संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) सहित विभिन्न राष्ट्रीय और वैश्विक स्थिरता लक्ष्यों के साथ एकीकृत।
- **फोकस क्षेत्र:** स्वच्छ ऊर्जा, टिकाऊ कृषि, जल संरक्षण और अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाएँ।

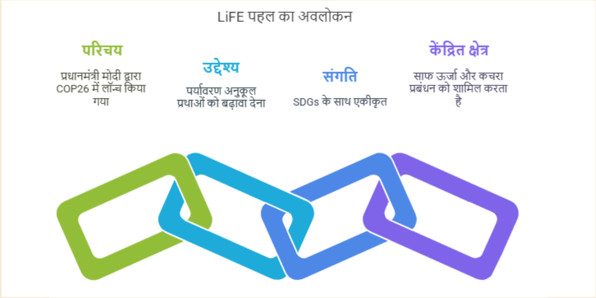

5 इतिहास

ईश्वर चंद्र विद्यासागर

- **जन्म:** 26 सितम्बर 1820, पश्चिम बंगाल
- संस्कृत और दर्शन पर उनकी निपुणता के लिए उन्हें 1839 में विद्यासागर की उपाधि दी गई।
- **मृत्यु:** 29 जुलाई 1891, 70 वर्ष की आयु में।
- **उनकी साहित्यिक कृतियाँ**
    - बेताल पंचविंसती (1847)
    - बांग्ला इतिहास (1848)
    - जीवनचरित (1849)
    - शकुंतला (1854)
    - महाभारत (1860)
    - सीतार वनवास (1860)
    - भ्रांतिविलास (1869)
    - ओटी अल्पा होइलो (1873)
    - आबार ओटी अल्पा होइलो (1873)
    - ब्रजाविलास (1884)
    - रत्नोपरीक्षा (1886)
- सुधारों पर साहित्यिक कृतियाँ
    - **बिधोबाबिवा (1855):** विधवाओं के पुनर्विवाह के अधिकार पर केंद्रित।
    - **बहुविवाह (1871):** बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने की वकालत की।
    - **बाल्यबीवा:** बाल विवाह के दोषों की आलोचना की गई।

ईश्वर चंद्र विद्यासागर

संत कवि तिरुवल्लुवर

संत कवि तिरुवल्लुवर के बारे में

- उन्हें वल्लुवर भी कहा जाता है और वे एक तमिल कवि-संत थे।
- उनके जीवन काल को तीसरी - चौथी शताब्दी या आठवीं - नौवीं शताब्दी के बीच माना जाता है।
- माना जाता है कि वे जैन धर्म से जुड़े थे। हालाँकि, हिंदू दावा करते हैं कि तिरुवल्लुवर हिंदू धर्म से थे।
- द्रविड़ समूह उन्हें संत मानते हैं, क्योंकि उन्होंने जाति व्यवस्था को खारिज किया था।
- उनका योगदान: उन्होंने संगम साहित्य में तिरुक्कुरल या 'कुरल' में योगदान दिया।

तिरुक्कुरल के बारे में

- इसमें 10 दोहों के 133 खंड हैं।
- प्रत्येक को तीन पुस्तकों में विभाजित किया गया है: आराम (सद्गुण), पोरुल (सरकार और समाज), और कामम (प्रेम)।
- यह तमिल भाषा में लिखा गया है।

संत कवि तिरुवल्लुवर

6 विश्व मामले

भारत-यूएई ने 5 समझौतों पर हस्ताक्षर किए

चर्चा में क्यों ?

भारत और यूएई ने अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की नई दिल्ली की आधिकारिक यात्रा के दौरान अपनी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए द्विपक्षीय वार्ता की।

पाँच समझौते

- अमीरात परमाणु ऊर्जा कंपनी (ईएनईसी) और भारतीय परमाणु ऊर्जा सहयोग (एनपीसीआईएल) के बीच बराक परमाणु ऊर्जा संयंत्र संचालन और रखरखाव के क्षेत्र में समझौता ज्ञापन।
- अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी (एडीएनओसी) और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के बीच दीर्घकालिक एलएनजी आपूर्ति के लिए समझौता।
- एडीएनओसी और इंडिया स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व लिमिटेड (आईएसपीआरएल) के बीच समझौता ज्ञापन।
- ऊर्जा भारत और एडीएनओसी के बीच अबू धाबी ऑनशोर ब्लॉक 1 के लिए उत्पादन रियायत समझौता।
- भारत में फूड पार्कों के विकास पर गुजरात सरकार और अबू धाबी डेवलपमेंटल होल्डिंग कंपनी पीजेएससी (एडीक्यू) के बीच समझौता ज्ञापन।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अबू धाबी के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ)

चर्चा में क्यों ?

विदेश मंत्री एस जयशंकर इस्लामाबाद में होने वाले उच्च स्तरीय एससीओ शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। भारत और पाकिस्तान दोनों ने शिखर सम्मेलन के दौरान द्विपक्षीय वार्ता की संभावना से इनकार किया है।

एससीओ के बारे में

- **स्थापना:** 2001, शंघाई शिखर सम्मेलन
- **संस्थापक सदस्य:** रूस, चीन, किर्गिस्तान, कजाकिस्तान, ताजिकिस्तान, उजबेकिस्तान
- **बाद में शामिल हुए सदस्य:**
  - **भारत और पाकिस्तान:** 2017
  - **ईरान:** 2023
  - **बेलारूस:** 2024
- **अन्य प्रतिभागी:** 3 पर्यवेक्षक राज्य और 6 संवाद साझेदार
- **प्रमुख संरचनाएं**

- **राष्ट्राध्यक्षों की परिषद** – सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था
- **शासनाध्यक्षों की परिषद** – दूसरा सर्वोच्च प्राधिकारी

- **स्थायी निकाय**
  - **सचिवालय:** बीजिंग, चीन
  - **क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी संरचना (आरएटीएस):** ताशकंद, उज्बेकिस्तान

एससीओ का लोगो

अरुणाचल प्रदेश की चोटी का नाम छठे दलाई लामा के नाम पर रखना गैरकानूनी है

चर्चा में क्यों?

चीन ने अरुणाचल प्रदेश में एक नई चढ़ाई गई चोटी का नाम छठे दलाई लामा, त्सांगयांग ग्यात्सो के नाम पर रखने पर भारत की आलोचना की है।

मुख्य बातें

राष्ट्रीय पर्वतारोहण एवं साहसिक खेल संस्थान (एनआईएमएएस) ने मोन तवांग में जन्मे दलाई लामा के सम्मान में 20,942 फुट ऊंची इस चोटी का नामकरण किया। चीन इस क्षेत्र, जांगनान को अपना क्षेत्र मानता है और भारत द्वारा "अरुणाचल प्रदेश" का नामकरण अवैध मानता है।

निमास के बारे में

- **स्थापना:** 30 मई 2013
- **स्थान:** अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग जिले का दिरांग।
- यह भारतीय रक्षा मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त संस्थान है, जो पर्वत बचाव, पर्वतारोहण और साहसिक खेलों में विशेष प्रशिक्षण प्रदान करता है।

श्रीलंका में राष्ट्रपति चुनाव

चर्चा में क्यों?

श्रीलंका में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में रिकॉर्ड 39 उम्मीदवार मैदान में हैं, जो 2022 के आर्थिक संकट के बावजूद एक मजबूत लोकतांत्रिक प्रक्रिया को दर्शाता है। वर्तमान राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, जो अब एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं, अपने कार्यकाल के दौरान हासिल की गई राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता को और आगे बढ़ाना चाहते हैं।

श्रीलंका के बारे में

- **राजधानी:** कोलंबो (वाणिज्यिक), श्री जयवर्धनेपुरा कोट्टे (विधायी)
- **मुद्रा:** श्रीलंकाई रुपया (LKR)
- **स्थान:** दक्षिण एशिया, हिंद महासागर में द्वीप राष्ट्र, भारत के दक्षिण-पूर्व में
- **भाषा:** सिंहली और तमिल (आधिकारिक भाषाएँ), अंग्रेज़ी (व्यापक रूप से प्रयुक्त)
- **प्रधान मंत्री:** दिनेश गुणवर्धने (सितंबर 2024 तक)
- **राष्ट्रपति:** रानिल विक्रमसिंघे (सितंबर 2024 तक)
- राजनीतिक व्यवस्था: अर्ध-राष्ट्रपति प्रतिनिधि लोकतांत्रिक गणराज्य

चीन की बेल्ट एंड रोड पहल (बीआरआई)

चर्चा में क्यों?

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने श्रीलंका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके को बधाई दी और बीआरआई के माध्यम से मजबूत सहयोग का वादा किया। शी ने आपसी विकास के लिए दोनों देशों की साझेदारी को और गहरा करने की उम्मीद भी जताई।

बीआरआई के बारे में

- यह एक व्यापक विकास रणनीति है जो वैश्विक संपर्क और सहयोग में सुधार लाने पर केंद्रित है।
- लॉन्च: 2013
- इसका उद्देश्य भूमि और समुद्री मार्गों के माध्यम से दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य एशिया, खाड़ी, अफ्रीका और यूरोप को जोड़ना है।

- मूल रूप से इसे 'वन बेल्ट, वन रोड' कहा गया था, लेकिन बाद में इसका नाम बदलकर बीआरआई कर दिया गया ताकि यह चीन-केंद्रित दृष्टिकोण के बजाय अधिक समावेशी, वैश्विक दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित कर सके।
- इस पहल में दो मुख्य घटक शामिल हैं: सिल्क रोड आर्थिक बेल्ट और समुद्री सिल्क रोड।

बीआरआई का विस्तार

- **बीआरआई के मार्ग:**
  - सिल्क रोड आर्थिक बेल्ट: इसका उद्देश्य स्थल परिवहन मार्गों के नेटवर्क के माध्यम से यूरेशिया में कनेक्टिविटी, बुनियादी ढांचे और व्यापार को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना है।
  - समुद्री रेशम मार्ग: यह समुद्री सहयोग पर केन्द्रित है, जिसमें बंदरगाह, नौवहन मार्ग और समुद्री अवसंरचना परियोजनाएं शामिल हैं।
- **भौगोलिक गलियारे:** भूमि आधारित सिल्क रोड आर्थिक बेल्ट में विकास के लिए छह प्रमुख गलियारे की परिकल्पना की गई है:
  - चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी)।
  - नया यूरेशियन लैंड ब्रिज आर्थिक गलियारा।
  - चीन-इंडोचीन प्रायद्वीप आर्थिक गलियारा।
  - चीन-मंगोलिया-रूस आर्थिक गलियारा।
  - चीन-मध्य एशिया-पश्चिम एशिया आर्थिक गलियारा।
  - चीन-म्यांमार आर्थिक गलियारा।

चतुर्भुज सुरक्षा वार्ता (QUAD)

चर्चा में क्यों?

डेलावेयर के क्लेमोंट में श्री बिडेन के पूर्व स्कूल आर्कमीयर एकेडमी में आयोजित अपनी छठी शिखर स्तरीय बैठक में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन, ऑस्ट्रेलिया के प्रधान मंत्री एंथनी अल्बानीज़ और जापान के प्रधान मंत्री फूमियो किशिदा ने परिणामों की एक विस्तृत श्रृंखला की घोषणा की।

हालिया शिखर सम्मेलन के परिणाम

- **क्वाड कैंसर मूनशॉट**
  - यह भारत-प्रशांत क्षेत्र में कैंसर के कारण होने वाली मौतों की संख्या को कम करने के लिए सार्वजनिक और निजी संसाधनों का लाभ उठाने का एक सामूहिक प्रयास है, जिसमें प्रारंभिक रूप से गर्भाशय-ग्रीवा कैंसर पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
- **महामारी की तैयारी**
  - 2024 में, क्वाड स्वास्थ्य सुरक्षा साझेदारी महामारी संबंधी तैयारियों के माध्यम से क्षेत्रीय लचीलेपन को आगे बढ़ाएगी।
  - यह महामारी प्रतिक्रिया के लिए मानक संचालन प्रक्रिया विकसित करने की संभावना तलाश रहा है।
- **एमपॉक्स**
  - क्वाड का उद्देश्य क्लेड I और वर्तमान में चल रहे क्लेड II प्रकोपों के जवाब में सुरक्षित और प्रभावी एमपॉक्स टीकों तक समान पहुंच सुनिश्चित करने के प्रयासों का समन्वय करना है, जिसमें जहां उपयुक्त हो, निम्न और मध्यम आय वाले देशों में वैक्सीन निर्माण का विस्तार करना भी शामिल है।
- **समुद्री सुरक्षा**
  - क्वाड ने इंडो-पैसिफिक में प्रशिक्षण के लिए समुद्री पहल (MAITRI) नामक एक नई पहल शुरू की है, जिसका उद्देश्य क्षेत्रीय भागीदारों को IPMDA और अन्य क्वाड पहलों के उपकरणों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने में मदद करना है। इस पहल का उद्देश्य उन्हें अपने जल क्षेत्रों की निगरानी करने, कानूनों को लागू करने और अवैध गतिविधियों को रोकने में मदद करना है।
- क्वाड इंडो-पैसिफिक लॉजिस्टिक्स नेटवर्क पायलट परियोजना का उद्देश्य संपूर्ण इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में प्राकृतिक आपदाओं के प्रति तीव्र और अधिक प्रभावी नागरिक प्रतिक्रिया को सुगम बनाना है।
- क्वाड सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखलाओं की लचीलापन को मजबूत करने के लिए सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला आकस्मिकता नेटवर्क सहयोग ज्ञापन।
- **संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार**
  - नेताओं ने स्थायी और अस्थायी दोनों सदस्यता श्रेणियों का विस्तार करके इसे और अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण, समावेशी और लोकतांत्रिक बनाने की तत्काल आवश्यकता को स्वीकार किया।

QUAD के बारे में

- यह भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के बीच एक अनौपचारिक रणनीतिक वार्ता मंच है।
- यह इन देशों को एक 'स्वतंत्र, खुले और समृद्ध' हिंद-प्रशांत क्षेत्र को सुनिश्चित करने और उसका समर्थन करने तथा चीन का मुकाबला करने के लिए एक साथ लाता है।
- **क्वाड का इतिहास**
  - इसका प्रस्ताव सबसे पहले जापानी प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने 2007 में रखा था।
  - हालाँकि, चीन के दबाव में ऑस्ट्रेलिया के पीछे हटने के बाद यह आगे नहीं बढ़ सका।
  - अंतत: 2017 में भारत, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और जापान एक साथ आए और इस "चतुर्भुज" गठबंधन का गठन किया।
  - **पहला शिखर सम्मेलन:** 24 सितंबर 2021 को वाशिंगटन में।

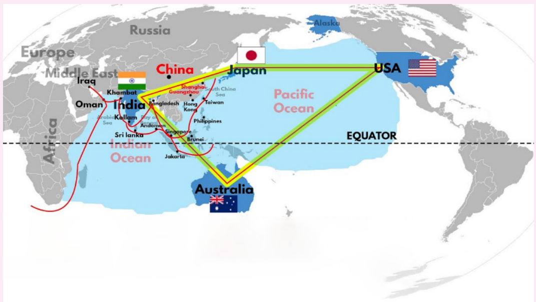

QUAD देशों का प्रतिनिधित्व करने वाला मानचित्र

7 विविध

महत्वपूर्ण दिन

महत्वपूर्ण दिन और उनके विषय

दिन	महत्व	वर्ष का विषय
शिक्षक दिवस 2024	• राष्ट्र के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका के सम्मान में 5 सितंबर को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर इसे मनाया जाता है।	
विश्व हृदय दिवस	• लोगों को हृदय संबंधी बीमारियों के बारे में शिक्षित करने और स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु 29 सितंबर को मनाया जाता है।	कार्य के लिए हृदय का उपयोग करें
विश्व पर्यटन दिवस	• 27 सितंबर को मनाए जाने वाले इस दिवस का उद्देश्य शांति और समझ को बढ़ावा देने में पर्यटन की भूमिका को बढ़ावा देना है।	पर्यटन और शांति
परमाणु हथियारों के सम्पूर्ण उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस	• परमाणु हथियारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और उनके उन्मूलन की वकालत करने के लिए 26 सितंबर को मनाया जाता है।	मानव सुरक्षा, न्याय और शांति की दिशा में मार्ग बनाना
हिंदी दिवस 2024	• भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में हिंदी को बढ़ावा देने और इसके सांस्कृतिक महत्व का जश्न मनाने के लिए 14 सितंबर को मनाया जाता है।	
अंत्योदय दिवस 2024	• यह प्रतिवर्ष 25 सितम्बर को मनाया जाता है • यह दिन पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती का सम्मान करता है। • यह दिवस समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के दृष्टिकोण और मिशन पर प्रकाश डालता है तथा एक समावेशी भारत बनाने पर ध्यान केंद्रित करता है, जहां कोई भी पीछे न छूटे।	

खेल

पेरिस पैरालिंपिक 2024

चर्चा में क्यों ?

- प्रीति पाल पैरालिंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला ट्रैक और फील्ड एथलीट बन गईं, उन्होंने पेरिस पैरालिंपिक में 200 मीटर टी35 श्रेणी में कांस्य पदक हासिल किया। यह उल्लेखनीय उपलब्धि उन्हें टोक्यो में निशानेबाज अवनि लेखरा द्वारा स्वर्ण और कांस्य पदक जीतने के बाद एक ही पैरालिंपिक में दो पदक जीतने वाली दूसरी भारतीय महिला बनाती है।
- पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी नितेश कुमार ने पेरिस पैरालिंपिक 2024 में पुरुष एकल SL3 में स्वर्ण पदक जीता।

महत्वपूर्ण संक्षिप्तीकरण
"एसएल" का अर्थ है "खड़े होकर / नीचे की ओर": एसएल3: निचले अंगों में कमजोरी और संतुलन की समस्या के साथ खड़े होकर प्रतिस्पर्धा करने वाले एथलीट, चलते या दौड़ते हैं।

पैरालम्पिक खेल

- ये खेल विकलांग एथलीटों के लिए एक अंतरराष्ट्रीय बहु-खेल आयोजन है, जो ओलंपिक खेलों के बाद हर चार साल में आयोजित किया जाता है।
- प्रथम आधिकारिक पैराओलम्पिक खेल 1960 में रोम में आयोजित किये गये थे, लेकिन इनका उद्भव 1948 के स्टोक मैंडविल खेलों से माना जाता है, जो रीढ़ की हड्डी की चोटों से पीड़ित द्वितीय विश्व युद्ध के दिग्गजों के लिए आयोजित किये गये थे।
- ये खेल विकलांग लोगों के लिए समावेशिता, विविधता और बाधाओं को तोड़ने को बढ़ावा देते हैं।
- पैराओलंपिक में विभिन्न प्रकार के खेल शामिल हैं, जिनमें एथलेटिक्स, तैराकी, व्हीलचेयर बास्केटबॉल, सिटिंग वॉलीबॉल और पैरा-पावरलिफ्टिंग आदि शामिल हैं।

प्रीति पाल

जूदो

चर्चा में क्यों ?

- कपिल परमार ने जूडो में भारत के लिए पहला पैरालंपिक पदक जीता, उन्होंने पुरुषों के 60 किग्रा (जे 1) वर्ग में ब्राजील के एलियटन डी ओलिवेरा पर प्ले-ऑफ में शानदार जीत के बाद कांस्य पदक जीता।

जूडो के बारे में

- **उत्पत्ति:** इसका विकास जापान में 1882 में जिगोरो कानो द्वारा प्राचीन मार्शल आर्ट जुजित्सू तकनीक से किया गया था।
- **स्कोरिंग**
  - **इप्पोन:** एक पूर्ण अंक, जो एकदम सही थ्रो, 20 सेकंड के लिए सफल पिन, या चोक या जॉइंट लॉक के माध्यम से सबमिशन के लिए दिया जाता है, जिससे मैच समाप्त हो जाता है।
  - **वाजा-आरी:** आधा अंक, जो 10-19 सेकंड तक चलने वाले लगभग-परफेक्ट थ्रो या पिन के लिए दिया जाता है। दो वाजा-आरी एक इप्पोन के बराबर होते हैं।
  - **युको (अब प्रयोग नहीं किया जाता):** अतीत में छोटी तकनीकी उपलब्धियों के लिए कम अंक का प्रयोग किया जाता था।

कपिल परमार

- **मैच अवधि:** अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पुरुषों और महिलाओं के लिए 4 मिनट, यदि आवश्यक हो तो गोल्डन स्कोर राउंड (अचानक मौत) के साथ।
- **वजन श्रेणियां:** पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए, हल्के से लेकर भारी वजन तक, वजन वर्गों में विभाजित।
- **वर्दी:** अभ्यासकर्ता जूडो जी.आई. पहनते हैं, जो एक मोटी सूती जैकेट और पैंट है, जिसे रैंक को दर्शाने वाली एक बेल्ट से बांधा जाता है।
- **तकनीक:** इसमें थ्रो (नागे-वाजा), ग्रैपलिंग (काटेम-वाजा), जॉइंट लॉक्स और चोकहोल्ड्स शामिल हैं।
- **दंड**
  - **शिदो:** निष्क्रियता या गैर-लड़ाकूपन जैसे उल्लंघनों के लिए मामूली दंड।
  - **हांसोकू-मेक:** खतरनाक तकनीक या खेल भावना के विपरीत व्यवहार जैसे प्रमुख उल्लंघनों के लिए अयोग्यता।
  - **ओलंपिक और पैरालंपिक खेल:** जूडो 1964 से पुरुषों के लिए और 1992 से महिलाओं के लिए ओलंपिक खेल रहा है। इसे पैरालंपिक खेलों में भी शामिल किया गया है।
  - **पैरालिंपिक जूडो:** दृष्टिबाधित एथलीटों द्वारा स्पर्श नियमों और अनुकूलित प्रारंभिक पकड़ का उपयोग करके अभ्यास किया जाता है।

चर्चित व्यक्तित्व

पद का नाम	पोस्ट पर मौजूद व्यक्ति
फिल्म समीक्षक	अरुणा वासुदेव
अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी	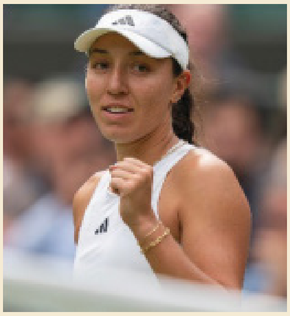 जेसिका पेगुला
युगांडा क्रॉस कंट्री, लंबी दूरी और मैराथन धावक	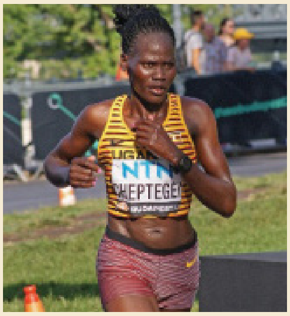 रेबेका चेप्टेगी
केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री	पीयूष गोयल

Contd...

पद का नाम	पोस्ट पर मौजूद व्यक्ति
भारतीय स्टेट बैंक के अध्यक्ष	चल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी
केंद्रीय कपड़ा मंत्रालय मंत्री	गिरिराज सिंह
असम के मुख्यमंत्री	हिमंत बिस्वा सरमा
कनाडा के प्रधानमंत्री	जस्टिन ट्रूडो

Contd...

पद का नाम	पोस्ट पर मौजूद व्यक्ति
फ्रांस के नए प्रधानमंत्री	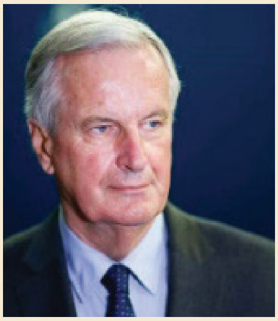 मिशेल बार्नियर
फ्रांस के राष्ट्रपति	इमैनुएल मैक्रों
मणिपुर के मुख्यमंत्री	एन. बीरेन सिंह
यूक्रेन के भारत में राजदूत	ओलेक्सांद्र पोलिशचुक

Contd...

पद का नाम	पोस्ट पर मौजूद व्यक्ति
भारत के रक्षा मंत्री	Rajnath Singh राजनाथ सिंह
अल्जीरिया के राष्ट्रपति	अब्दुलमजीद तब्बोने
न्यायमूर्ति मनमोहन को 30 सितंबर 2024 को दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ दिलाई गई।	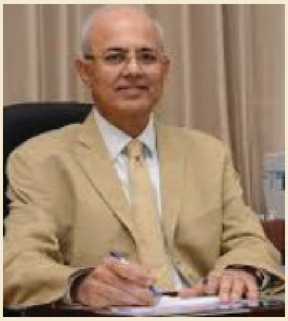 न्यायमूर्ति मनमोहन
नौसेना प्रमुख	एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी

Contd...

पद का नाम	पोस्ट पर मौजूद व्यक्ति
वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी	आलोक रंजन
अमित गर्ग, आंध्र प्रदेश कैडर के 1993 बैच के आईपीएस अधिकारी, को एसवीपीएनपीए के निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है।	अमित गर्ग
भारतीय शतरंज ग्रैंडमास्टर	गुकेश डोन्नमाराजू
थाईलैंड के राजा	महा वाजीरालोंगकोर्न

Contd...

पद का नाम	पोस्ट पर मौजूद व्यक्ति
बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री	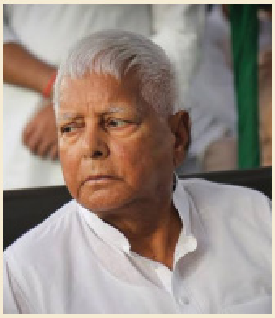 लालू प्रसाद यादव
नव-निर्वाचित श्रीलंकाई राष्ट्रपति	कुमार डिस्सनायका
अनुराग गर्ग, हिमाचल प्रदेश के 1993 बैच के आईपीएस अधिकारी को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) का महानिदेशक नियुक्त किया गया है। आईपीएस अनुराग गर्ग	अनुराग गर्ग
सरकार ने एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह, PVSM, AVSM, जो वर्तमान में वाइस चीफ ऑफ एयर स्टाफ के रूप में कार्यरत हैं, को अगला एयर चीफ मार्शल नियुक्त किया है। एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह	अमर प्रीत सिंह

सरकारी योजनाएँ

जल संचय जनभागीदारी पहल

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के सूरत में जल संचय जन भागीदारी पहल की शुरुआत की। यह पहल चल रहे जल शक्ति अभियान: कैच द रेन अभियान के साथ संरेखित है, जो दीर्घकालिक जल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सहयोगी जल प्रबंधन के दृष्टिकोण को मजबूत करता है। इस पहल का उद्देश्य गुजरात में नागरिकों, स्थानीय निकायों, उद्योगों और हितधारकों को वर्षा जल संचयन संरचनाओं को लागू करने के लिए प्रेरित करना है।

जल शक्ति अभियान (जेएसए) के बारे में

- इसे जल शक्ति मंत्रालय द्वारा 2019 में देश में जल संरक्षण और जल सुरक्षा के अभियान के रूप में लॉन्च किया गया था।
- राज्यों और सभी हितधारकों को वर्षा जल संचयन संरचनाएं (आरडब्ल्यूएचएस) बनाने के लिए प्रेरित करने हेतु 2020 में "वर्षा को पकड़ो, जहां भी गिरे, जब भी गिरे" टैग लाइन के साथ "वर्षा को पकड़ो" अभियान लागू किया गया था।
- **लक्ष्य**
  - सभी हितधारकों को वर्षा जल संचयन संरचनाओं (आरडब्ल्यूएचएस) के निर्माण के लिए प्रेरित करना जो वर्षा जल को संग्रहीत करने के लिए जलवायु परिस्थितियों और उप-मृदा स्तर के लिए उपयुक्त हों।
  - अभियान के लिए प्रभावी अभियान और सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) गतिविधियों के माध्यम से लोगों को शामिल करना।

जल संरक्षण के लिए उठाए गए कदम

- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, 2005
- जल क्रांति अभियान - 2015
- राष्ट्रीय जल मिशन - 2011
- नीति आयोग का समग्र जल प्रबंधन सूचकांक - 2018
- जल शक्ति मंत्रालय और जल जीवन मिशन - 2019
- अटल भूजल योजना - 2019
- राष्ट्रीय जल पुरस्कार - 2017

डिजिटल कृषि मिशन

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली केन्द्रीय मंत्रिमंडल समिति ने 'डिजिटल कृषि मिशन' को हरी झंडी दे दी है तथा इसके लिए 2,817 करोड़ रुपये का महत्वपूर्ण बजट आवंटित किया है, जिसमें केन्द्र सरकार का योगदान 1,940 करोड़ रुपये होगा।

मिशन के बारे में

- यह डिजिटल कृषि पहलों का समर्थन करने वाली एक व्यापक योजना है।
- फोकस: डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का निर्माण, डिजिटल सामान्य फसल अनुमान सर्वेक्षण (डीजीसीईएस) करना, तथा सरकारी एजेंसियों और अनुसंधान संस्थानों द्वारा आईटी पहल को बढ़ावा देना।
- इसमें मृदा प्रोफ़ाइल मानचित्रण शामिल है - यह मृदा विशेषताओं, नमी की मात्रा और पोषक तत्वों के स्तर पर नज़र रखता है, जिससे परिशुद्ध खेती संभव हो पाती है।

तीन आधारभूत स्तंभ

- **एग्री स्टैक**
  - इसे किसानों के लिए सेवाओं और योजना वितरण को सुव्यवस्थित करने के लिए किसान-केंद्रित डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (DPI) के रूप में डिज़ाइन किया गया है।
  - इसमें तीन प्रमुख घटक शामिल हैं:
    - किसानों की रजिस्ट्री
    - भू-संदर्भित गांव के नक्शे
    - फसल बोई रजिस्ट्री
  - इसके तहत किसानों को आधार की तरह एक डिजिटल पहचान (किसान आईडी) प्रदान की जाएगी, जिसे 'किसान की पहचान' कहा जाएगा।
  - यह आईडी गतिशील रूप से विभिन्न डेटा बिंदुओं जैसे भूमि रिकॉर्ड, पशुधन स्वामित्व, बोई गई फसलें और जनसांख्यिकीय विवरण से जुड़ेगी।
  - किसान पहचान-पत्र बनाने और डिजिटल फसल सर्वेक्षण का परीक्षण करने के लिए छह राज्यों में पायलट परियोजनाएं संचालित की गई हैं।

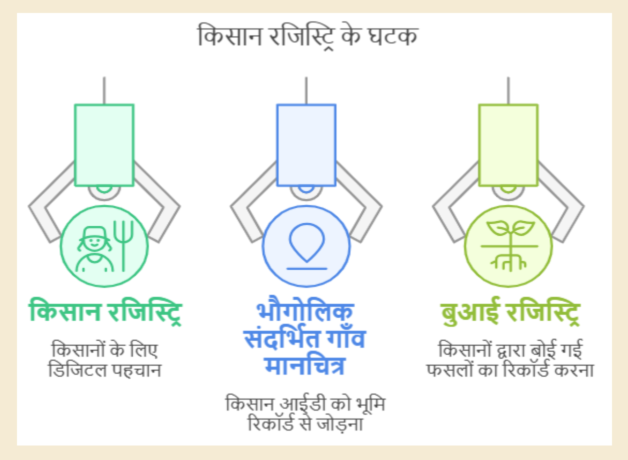

- **कृषि निर्णय सहायता प्रणाली:** यह फसलों, मिट्टी, मौसम और जल संसाधनों पर रिमोट सेंसिंग डेटा को एक व्यापक भू-स्थानिक प्रणाली में एकीकृत करेगी।
- **मृदा प्रोफ़ाइल मानचित्रण**
  - भारत में लगभग 142 मिलियन हेक्टेयर कृषि भूमि को कवर करते हुए 1:10,000 पैमाने पर विस्तृत मृदा प्रोफ़ाइल मानचित्रण।
  - यह मिट्टी की विशेषताओं, नमी की मात्रा और पोषक तत्वों के स्तर पर नज़र रखता है, जिससे परिशुद्ध खेती संभव हो पाती है।

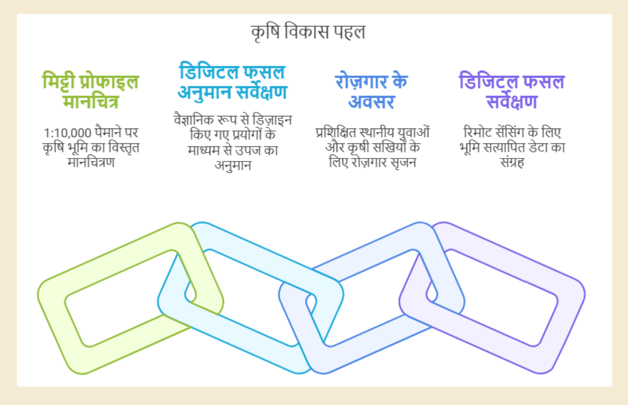

मेक इन इंडिया के दस साल

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने 'मेक इन इंडिया' पहल की 10 वीं वर्षगांठ पर इसकी सफलता पर जोर दिया । इसकी शुरुआत से अब तक मोबाइल आयात में 85% की कमी आई है, जबकि 2022 और 2024 के बीच विनिर्माण क्षेत्र में नौकरियों में 200% की वृद्धि देखी गई। इस पहल ने व्यापार करने में आसानी को भी बढ़ाया है और पर्याप्त प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को आकर्षित किया है।

मेक इन इंडिया पहल

- **लॉन्च:** 25 सितम्बर 2014
- इसका नेतृत्व वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा किया जा रहा है।
- **उद्देश्य:** नए औद्योगीकरण के लिए विदेशी निवेश को आकर्षित करना तथा भारत में पहले से मौजूद उद्योग आधार को विकसित करके उसे चीन से आगे ले जाना।
- इसका उद्देश्य देश को एक अग्रणी वैश्विक विनिर्माण और निवेश गंतव्य में बदलना है।
- **चार स्तंभ**
  - **नई प्रक्रियाएं:** उद्योगों को उनके संपूर्ण जीवनचक्र में लाइसेंस-मुक्त और विनियमन-मुक्त करके व्यापार करने की सुगमता में सुधार लाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
  - **नवीन अवसंरचना:** औद्योगिक विकास को समर्थन देने के लिए औद्योगिक गलियारों का विकास, उन्नत अवसंरचना तथा सुव्यवस्थित पंजीकरण प्रणाली।
  - **नये क्षेत्र:** विनिर्माण, बुनियादी ढांचे और सेवाओं में 27 क्षेत्रों की पहचान की गई, जिनकी विस्तृत जानकारी एक इंटरैक्टिव पोर्टल और ब्रोशर के माध्यम से उपलब्ध है।
  - **नई मानसिकता:** सरकार-उद्योग साझेदारी की ओर बदलाव, जहां सरकार नियामक के रूप में नहीं बल्कि सुविधाप्रदाता के रूप में कार्य करती है।
- **संबंधित पहल**
  - राष्ट्रीय एकल खिड़की प्रणाली (एनएसडब्लूएस)
  - पीएम गति शक्ति कार्यक्रम
  - एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी)
  - सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम निर्माण की योजना

मेक इन इंडिया का लोगो

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

- इसका उद्देश्य "भारत को एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति" बनाना है।

- यह 34 वर्ष पुरानी राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986, जिसे 1992 में संशोधित किया गया था (एनपीई 1986/92) का स्थान लेता है।
- शिक्षा मंत्रालय ने डॉ. के. कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता में एक समिति गठित की, जिसने इस नई नीति की रूपरेखा तैयार की।
- 5 आधारभूत स्तंभ: पहुंच, समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य और जवाबदेही।
- यह स्वतंत्रता के बाद से भारत में शिक्षा के ढांचे का तीसरा बड़ा सुधार है।
- यह 21वीं सदी के लक्ष्यों और सतत विकास लक्ष्य 4 (एसडीजी 4) के अनुरूप व्यापक शिक्षा प्रणाली सुधार की वकालत करता है।

मुख्य विशेषताएं

- **सार्वभौमिक पहुंच:** एनईपी 2020 प्री-स्कूल से माध्यमिक स्तर तक स्कूली शिक्षा तक सार्वभौमिक पहुंच पर केंद्रित है।
- **प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा:** 10+2 संरचना को 5+3+3+4 प्रणाली में परिवर्तित किया जाएगा, जिससे 3-6 वर्ष के बच्चों को स्कूली पाठ्यक्रम के अंतर्गत लाया जाएगा, जिसमें प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
- **बहुभाषिकता:** कक्षा 5 तक मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा ही शिक्षा का माध्यम होगी, साथ ही संस्कृत और अन्य भाषाओं के विकल्प भी उपलब्ध होंगे।
- भारतीय सांकेतिक भाषा (आईएसएल) को मानकीकृत किया जाएगा।
- **समावेशी शिक्षा:** सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित समूहों (एसईडीजी) पर विशेष जोर, विकलांग बच्चों के लिए सहायता और "बाल भवन" की स्थापना।
- **बाधाओं का उन्मूलन:** नीति एक निर्बाध शिक्षा प्रणाली को बढ़ावा देती है जिसमें कला और विज्ञान, पाठ्यक्रम और पाठ्येतर गतिविधियों तथा व्यावसायिक और शैक्षणिक धाराओं के बीच कोई कठोर भेद नहीं होता।
- **जीईआर वृद्धि:** 2035 तक सकल नामांकन अनुपात को 26.3% से बढ़ाकर 50% करने का लक्ष्य, 3.5 करोड़ नई सीटें जोड़ना।
- अनुसंधान फोकस: अनुसंधान संस्कृति और क्षमता को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन का निर्माण।
- **भाषा संरक्षण:** भारतीय भाषाओं के लिए समर्थन, जिसमें अनुवाद एवं व्याख्या संस्थान (आईआईटीआई) की स्थापना तथा भाषा विभागों को मजबूत बनाना शामिल है।
- **अंतर्राष्ट्रीयकरण:** अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और शीर्ष क्रम के विदेशी विश्वविद्यालयों के प्रवेश को सुविधाजनक बनाना।
- **वित्तपोषण:** शिक्षा में सार्वजनिक निवेश को सकल घरेलू उत्पाद के 6% तक बढ़ाने के लिए संयुक्त प्रयास।
- **परख मूल्यांकन केंद्र:** राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र के रूप में परख (समग्र विकास के लिए प्रदर्शन मूल्यांकन, समीक्षा और ज्ञान का विश्लेषण) की स्थापना शिक्षा में योग्यता-आधारित और समग्र मूल्यांकन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।
- **लिंग समावेशन निधि:** शिक्षा में लैंगिक समानता के महत्व पर जोर देना और वंचित समूहों को सशक्त बनाने की पहल का समर्थन करना।
- **विशेष शिक्षा क्षेत्र:** इनकी परिकल्पना वंचित क्षेत्रों और समूहों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए की गई है, तथा सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक समान पहुंच के लिए नीति की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाया गया है।
- **प्रमुख पहल**
  - पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया (एसएचआरआई)
  - समझ के साथ पढ़ने और अंकगणित में दक्षता के लिए राष्ट्रीय पहल (निपुण) भारत मिशन
  - पीएम ई-विद्या
  - आधारभूत चरण के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ एफएस)
  - जदुई पिटारा
  - स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों की समग्र उन्नति के लिए राष्ट्रीय पहल (निष्ठा)
  - राष्ट्रीय डिजिटल शिक्षा वास्तुकला (एनडीईएआर)
  - ज़ांज़ीबार और अबू धाबी में आईआईटी परिसर
  - राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा योग्यता रूपरेखा (एनएचईक्यूएफ)
  - सीखने के स्तर के विश्लेषण के लिए संरचित मूल्यांकन (SAFAL)

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना

चर्चा में क्यों ?

महाराष्ट्र के वर्धा में राष्ट्रीय पीएम विश्वकर्मा कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने आचार्य चाणक्य कौशल्य विकास योजना और पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर महिला स्टार्ट-अप योजना का शुभारंभ किया। उन्होंने अमरावती में पीएम मित्र पार्क की नींव रखी और लाभार्थियों को प्रमाण पत्र और ऋण जारी किए, जिसमें कारीगरों और भारत के कपड़ा उद्योग के विकास पर विश्वकर्मा योजना के सकारात्मक प्रभाव पर जोर दिया गया।

योजना के बारे में

- **लॉन्च तिथि:** 17 सितम्बर 2023
- यह सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के अंतर्गत एक केन्द्र प्रायोजित योजना है।
- इसका उद्देश्य 18 व्यवसायों के कारीगरों और शिल्पकारों को संपूर्ण सहायता प्रदान करना है।
- पिछले वर्ष, 700 जिलों, 250,000 ग्राम पंचायतों और 5,000 शहरी स्थानीय इकाइयों के 18 पारंपरिक कौशल वाले 2 मिलियन से अधिक कारीगरों को जोड़ा गया।

- इसने उत्पादकता और गुणवत्ता बढ़ाने के लिए 600,000 से अधिक विश्वकर्मा या पारंपरिक कारीगरों को आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित किया है, साथ ही 15,000 रुपये के ई-वाउचर और व्यवसाय विस्तार के लिए बिना गारंटी के 3 लाख रुपये तक का ऋण भी दिया है।
- भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) की सहायक कंपनी भीम सर्विसेज लिमिटेड (एनबीएसएल) ने कारीगरों को इस योजना से लाभान्वित करने में मदद करने के लिए भीम ऐप के माध्यम से ई-आरयूपीआई वाउचर के प्रावधान की घोषणा की है।
- सात स्थानों पर पीएम मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल (पीएम मित्र) पार्क स्थापित किए जाएंगे -
  - तमिलनाडु (विरुधुनगर)
  - मध्य प्रदेश (धार)
  - तेलंगाना (वारंगल)
  - उत्तर प्रदेश (लखनऊ)
  - गुजरात (नवसारी)
  - महाराष्ट्र (अमरावती)
  - कर्नाटक (कलबुर्गी)
- आचार्य चाणक्य कौशल विकास केंद्र: युवाओं को नि:शुल्क कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करना।
- पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होल्कर महिला स्टार्टअप योजना: महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप को आत्मनिर्भर बनने में मदद करने के लिए।

पुरस्कार और सम्मान

लापता लेडीज़ ऑस्कर 2025 के लिए भारत की आधिकारिक प्रस्तुति है।

चर्चा में क्यों?

97 वें अकादमी पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ विदेशी फिल्म श्रेणी के लिए भारत की आधिकारिक प्रविष्टि के बारे में अटकलों पर विराम लगाते हुए , चेन्नई स्थित भारतीय फिल्म महासंघ (एफएफआई) ने किरण राव द्वारा निर्देशित *फिल्म 'लापता लेडीज' को* प्रस्तुति के लिए चुना है।

फिल्म के बारे में

- यह 1950 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित एक हास्य-नाटक है, जो एक छोटे से शहर में दो महिलाओं के लापता हो जाने के बाद उत्पन्न होने वाली हास्यपूर्ण अराजकता पर आधारित है।
- यह कहानी एक अनाड़ी स्थानीय राजनीतिज्ञ और एक अयोग्य जासूस की है जो महिलाओं की तलाश करते हैं।
- साथ ही, फिल्म स्वतंत्रता के बाद के भारत में पहचान, सामाजिक मानदंडों और महिलाओं की भूमिकाओं के विषयों की पड़ताल करती है, तथा हास्य और व्यंग्य का उपयोग करके उनके संघर्षों और आकांक्षाओं को उजागर करती है।
- **निर्देशक:** किरण राव
- **निर्माता:** आमिर खान प्रोडक्शंस

45 वां शतरंज ओलंपियाड 2024

चर्चा में क्यों?

हंगरी के बुडापेस्ट में आयोजित शतरंज ओलंपियाड में भारतीय पुरुष और महिला दोनों शतरंज टीमों ने स्वर्ण पदक जीते। भारतीय पुरुष टीम ने स्लोवेनिया को हराया और भारतीय महिला टीम ने अजरबैजान को हराया। भारत से पहले, केवल चीन और भूतपूर्व सोवियत संघ ने ही एक ही शतरंज ओलंपियाड संस्करण में पुरुष और महिला दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीते थे।

शतरंज ओलंपियाड के बारे में

- यह एक द्विवार्षिक आयोजन है जिसमें विश्व के देशों का प्रतिनिधित्व करने वाली टीमें प्रतिस्पर्धा करती हैं।
- अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ (FIDE) टूर्नामेंट का आयोजन करता है और मेजबान देश का चयन करता है।
- पहला ओलंपियाड अनौपचारिक था और 1927 में आयोजित किया गया था।

एफआईडीई के बारे में

- **राष्ट्रपति:** अर्काडी ड्वोर्कोविच
- **स्थापना:** 20 जुलाई 1924, पेरिस, फ्रांस
- **मुख्यालय:** लॉज़ेन, स्विटज़रलैंड, स्थापना 1924 में पेरिस में हुई।
- **आदर्श वाक्य:** जेन्स ऊना सुमुस (लैटिन में जिसका अर्थ है हम एक परिवार हैं)।
- यह शतरंज खेल का शासी निकाय है, जो सभी अंतर्राष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिताओं को विनियमित करता है।
- यह एक गैर-सरकारी संस्था है जो विश्व शतरंज चैंपियनशिप का आयोजन करती है।

इसे 1999 में अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति द्वारा वैश्विक खेल संगठन के रूप में मान्यता दी गई।